एम.पी.ए.- 035

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों में नामांकित छात्रों के लिए

कोर्स कोडः एम.पी.ए. 035

शोध पद्धति और नैतिकता

सामाजिक विज्ञान विधापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में, सत्रीय कार्य का भारांक 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भारांक 70% होता है।

आपको चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा।

यह पाठ्यक्रम, **"शोध पद्धति और नैतिकता" (एम.पी.ए. 035)** दो क्रेडिट का है। इस सत्रीय कार्य में टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं, और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले, कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन–क्षमता में सुधार होगा, और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) जमा करने की प्रक्रियाः

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र में नामांकित विधार्थी	31 मार्च 2025	विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास
जनवरी 2025 सत्र में नामांकित विधार्थी	30 सितंबर 2025	

आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी चाहिए, और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र को सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद, आपको सत्रीय कार्य वापस करना होगा। कृपया इसे सुनिश्चत कीजिए। अध्ययन केंद्र, सत्रीय कार्य के अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार लिखिए। इस संदर्भ में, आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्य में पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें, और उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** उत्तर की प्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। विशेषतः भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

- तार्किक और संगत हो;
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर्याप्त हो।

3) **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर हो।

शुभकामनाएं!

कार्यक्रम समन्वयक

लोक प्रशासन संकाय

सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

एम.पी.ए.–035: शोध पद्धति और नैतिकता

(टीएमए)

पाठ्यक्रम कोड : एमपीए–035

सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस. टी/टीएमए/2024–25

अंक : 50

यह सत्रीय कार्य **खंड – I** और **खंड – II** में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पांच प्रश्न हैं। आपको सभी प्रश्नों का उत्तर लगभग 200–250 शब्दों में देना है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 05 अंक हैं।

खंड – I

1) विभिन्न प्रकार की शोध समस्याओं पर चर्चा कीजिए। 5

2) परिकल्पना निर्माण में प्रमुख मुद्दे क्या–क्या हैं? 5

3) शोध डिजाइन के विभिन्न पहलुओं का उल्लेख कीजिए। 5

4) सैंपलिंग प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरणों पर प्रकाश डालिए। 5

5) डेटा प्रसंस्करण और विश्लेषण के महत्व का वर्णन कीजिए। 5

खंड – II

6) शोध डिजाइन और पद्धति में नैतिक मुद्दे क्या–क्या हैं? 5

7) नैतिक समीक्षा बोर्ड और सूचित सहमति की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 5

8) शोध में वैज्ञानिक प्रणाली के अर्थ और अवधारणा पर चर्चा कीजिए। 5

9) आपदा विज्ञान अनुसंधान में वैज्ञानिक आचरण पर एक नोट लिखिए। 5

10) हाल ही में कॉपीराइट समझौतों में कैसे परिवर्तन आए हैं, और इन परिवर्तनों में ओपन–एक्सेस प्रकाशन ने क्या भूमिका निभाई है? 5